

---

# Devaih Kritam 04 Devi Stotram

——  
देवैः कृतं च देवीस्तोत्रम्

——  
Document Information



---

Text title : Devaih Kritam 04 Devi Stotram

File name : devaiHKRRitaM04devIstotram.itx

Category : devii, devI, skandapurANa, stotra

Location : doc\_devii

Proofread by : PSA Easwaran

Description/comments : skandapurANa | prabhAsakhaNDa | arbudakhaNDa | adhyAya 22/16-22||

Latest update : September 6, 2025

Send corrections to : sanskrit at cheerful dot c om

---

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

**Please help to maintain respect for volunteer spirit.**

---

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

---

September 6, 2025

*sanskritdocuments.org*

---



---

## Devaih Kritam 04 Devi Stotram

---

देवैः कृतं ४ देवीस्तोत्रम्

---



नमोऽस्तु सर्वगे देवि नमस्ते सर्वपूजिते ।  
कामगेऽयिन्त्ये नमस्ते त्रिदशाश्रये ॥ १६ ॥

नमस्ते परमादेवि ब्रह्मयोने नमो नमः ।  
अर्धमात्रेऽक्षरे शैव तस्यार्धार्धे नमो नमः ॥ १७ ॥

नमस्ते पद्मपत्राक्षि विश्वमातर्नमोनमः ।  
नमस्ते वरदे देवि रजःसत्त्वतमोमयि ॥ १८ ॥

स्वस्वऋपस्थिते देवि त्वं य संसारलक्षणम् ।  
त्वं बुद्धिस्त्वं धृतिः क्षान्तिस्त्वं स्वाहा त्वं स्वधा क्षमा ॥ १९ ॥

त्वं वृद्धिस्त्वं गतिः कर्त्री शशी लक्ष्मीश्च पार्वती ।  
सावित्री त्वं य गायत्री अजेया पापनाशिनी ॥ ३.२२.२० ॥

यथ्यान्यदत्र देवेशि त्रैलोक्येऽस्तीति संज्ञितम् ।  
तद्रूपं तावकं देवि पर्वतेषु य संस्थितम् ॥ २१ ॥

वह्निना य यथा काष्ठं तन्तुना य यथा पटः ।  
तथा त्वया जगद्व्याप्तं गुहा त्वं सर्वतः स्थिता ॥ २२ ॥

ॐ श्रीस्कन्दपुराणे प्रभासभाएउ अर्बुदभाएउ द्वाविंशाध्यायान्तर्गतं  
देवैः कृतं देवीस्तोत्रं समाप्तम् ।

स्कन्दपुराण । प्रभासभाएउ । अर्बुदभाएउ । अध्याय २२/१६-२२ ॥

skandapurANa . prabhAsakhaNDa . arbudakhaNDa . adhyAya 22/16-22..

Proofread by PSA Easwaran

---

——  
*Devaih Kritam 04 Devi Stotram*  
pdf was typeset on September 6, 2025

——  
Please send corrections to [sanskrit@cheerful.com](mailto:sanskrit@cheerful.com)

